पाठ्यक्रम (2020-21)

कक्षा : नवम्

विषय : संस्कृत

- **प्रश्नपत्र में कुल 12 प्रश्न होंगे।**
- **प्रश्न पत्र में तीन भाग (क से ग तक) होंगे ।**

भाग – क

अति लघूत्तर प्रश्न (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

प्रश्न–1 में **(i)** से **(x)** तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा । ये प्रश्न एक शब्द से एक वाक्य तक के उत्तरों वाले अथवा हाँ/नहीं अथवा सही/गलत अथवा बहुवैकल्पिक उत्तरों वाले, किसी भी प्रकार के हो सकते हैं यह प्रश्न पाठ्यक्रम से ही पूछे जायें।

(i) से **(ii)** तक शब्द रूप (पुल्लिंग ,स्त्री लिंग तथा नपुंसकलिंग) से सम्बन्धित दो वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे ।

(iii) से **(iv)** तक धातुरूप (लट्लकार, लङ्लकार ,लृट्लकार) से सम्बन्धित दो वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे ।

(v) से**(vi)** तक समास से सम्बन्धित दो वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे

(vii) से **(viii)** तक सन्धि से सम्बन्धित दो वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे

(ix) से **(x)** तक उच्चारण स्थान से सम्बन्धित दो वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे ।

भाग – ख

(पाठ्य पुस्तक के 1 से 15 तक पाठ)

2 गद्यांशों का हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में अनुवाद ।

3 पद्यों का हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में प्रसंग सहित अर्थ ।

4 पाठों के अभ्यासों में से हिन्दी में प्रश्न ।

5 पाठों के अभ्यासों में से संस्कृत लघु प्रश्न ।

6 पाठों के अभ्यासों में से संस्कृत शब्दों के हिन्दी में अर्थ ।

7 पठित गद्यांश में से संस्कृत में सरल प्रश्न ।

भाग–ग

(व्याकरण भाग)

8 (क) **शब्द रूप** : (पुं) खग , छात्र , कवि, रवि ।
(स्त्री.) गंगा, शाला, प्रभा, नदी , नारी ।
(नपुं.) मित्र, ज्ञान, गृह।
सर्वनाम -तद् ,अस्मद् , युष्मद् (केवल पुं. में)

(ख) **धातु रूप** : (लट् लकार, लङ् लकार, लृट् लकार)
भ्वादिगण : (परस्मैपद्) अर्च्, पा, भू , पठ्, स्था, कूज्,गम्, दा, सृ, नी, दृश्,स्मृ।

9 **समास** : तत्पुरुष, द्विगु, कर्मधारय, द्वन्द्व, अव्ययीभाव और बहुब्रीहि।

अथवा

रिक्त स्थानों की पूर्ति (उपयुक्त शब्द रूप तथा धातु रूप पर आधारित)

10 **सन्धि** : स्वर सन्धि :-दीर्घ, गुण, यण्, वृद्धि, अयादि सन्धि ।
व्यंजन सन्धि:- खर विधि, जश् विधि, डम् विधि, श्चुत्व विधि,लत्व विधि, णत्व विधि।

11 **स्वर और व्यंजन का ज्ञान ।**

12 हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद ।(1 से 15 अभ्यास)

अथवा

निम्नलिखित विषयों पर संस्कृत में साधारण पत्र या प्रार्थना पत्र ।

1 अनुपस्थिति विषयकम् आवेदन पत्रम् ।
2 रुग्ण- अवकाशाय आवेदन पत्रम् ।
3 मित्राय भ्रमण विषयकं पत्रम् ।
4 शुल्क क्षमार्थम् आवेदन पत्रम् ।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक :संस्कृत भारती 9 (1 से 15 पाठ)पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित

आन्तरिक मूल्यांकन

आन्तरिक मूल्यांकन के कुल 20 अंक हैं, जो दो भागों में विभक्त किया गया है।

भाग– क (गतिविधियां) अंक 10

यह मूल्यांकन विद्यार्थी द्वारा पूर्ण साल में की गई गतिविधियों पर आधारित होगा ।

(क) विद्यार्थी की कक्षा में उपस्थिति = 2 अंक

(ख) गृहकार्य = 2 अंक

(ग) घरेलू परीक्षाओं पर आधारित मूल्यांकन = 4 अंक

(घ) पुस्तक बैंक = 2 अंक (विद्यार्थी पुस्तकालय में संस्कृत विषय की पुस्तकों के संग्रह में योगदान देगा जिससे पुस्तकालय में संस्कृत विषय की पुस्तकों के भण्डार में वृद्धि होगी)

भाग– ख (परियोजनाकार्यम्) अंक 10

यह मूल्यांकन संस्कृत भाषा के प्रति विद्यार्थी के सामान्य ज्ञान पर आधारित होगा । निम्नलिखित विषयों पर विद्यार्थी के ज्ञान का परीक्षण किया जाये।

(1) वाचन कौशल– वाचन कौशल के अंतर्गत विद्यार्थियों की वाचन कुशलता को विकसित करने के लिए पठ्य–पुस्तक में दिए गए गद्य– पद्य भाग में कोई एक अनुच्छेद पढ़ने को दिया जायेगा ।

लाभ–

1. हाव– भाव सहित शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास । **अंक= 3**
2. व्याकरणिक दृष्टि से उच्चारण में शुद्धता का विकास ।
3. विद्यार्थियों में भाषण कौशल का विकास ।
४. प्राचीन संस्कृत साहित्य पढ़ने की रूचि का विकास

(2) श्रवण कौशल– श्रवण कौशल के अंतर्गत विद्यार्थियों की श्रवण कुशलता को विकसित करने के लिए पठित सामग्री को सुनकर अर्थ ग्रहण करना,वार्तालाप करना, वाद–विवाद, संस्कृत गीतों को सुनने की कुशलता का विकास करना । **अंक= 3**

लाभ–

1. श्रवण के माध्यम से विद्यार्थियों मे एकाग्रता विकसित होगी ।
2. मनन शक्ति का विकास होगा ।
3. प्राचीन संस्कृत साहित्य सुनने की रूचि का विकास होगा ।

(3) अध्यापक परियोजनाकार्य भाग में स्वतन्त्र रूप से भी कक्षा में कार्य करवा सकता है। परियोजनाकार्य का उद्देश्य संस्कृत भाषा में विद्यार्थी के लेखन कौशल का विकास करना है । इसके अंतर्गत निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर अध्यापक द्वारा विद्यार्थिओं को परियोजना तैयार करने को कहा जाएगा, जिसका मार्गदर्शन अध्यापक करेगा । परियोजना लिखते समय उसे रुचिपूर्ण बनाने के लिए विद्यार्थी चित्रों का प्रयोग भी कर सकता है ।

अंक=4

विषय : संस्कृत
कक्षा : नवम्
प्रश्न- पत्र की रूपरेखा

समय : 3 घण्टे **कुल अंक : (लिखित=75+5 सुन्दर लिखाई) =80**

आन्तरिक मूल्यांकन = 20

भाग क

1 अति लघूत्तर प्रश्न (वस्तुनिष्ठ प्रश्न) **1x10=10**

भाग ख
(पाठ्य पुस्तक 1 से 15 पाठ)

2 तीन गद्यांश दिए जाएं जिनमें से दो का अनुवाद हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में करने को कहा जाए । **4x2=8**

3 तीन पद्य दिए जाएं जिनमें से दो का प्रसंग सहित अर्थ हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में लिखने को कहा जाए। **4x2=8**

4 पाठों के अभ्यासों में से पाँच प्रश्न हिन्दी में पूछे जाएं , जिनमें से तीन का उत्तर हिन्दी में लिखने को कहा जाए। **2x3=6**

5 संस्कृत में पाँच प्रश्न दिए जाएं ।जिनमें से तीन का उत्तर संस्कृत में लिखने को कहा जाए। **2x3=6**

6 पाठों के अभ्यासों में से सात संस्कृत शब्द दिए जाएं जिनमें से चार शब्दों के हिन्दी में अर्थ लिखने को कहा जाए । **1x4=4**

7 पाठ्य पुस्तक में से कोई एक गद्यांश देकर उसी मे से संस्कृत में दो सरल प्रश्न पूछे जाएं। **2x2=4**

भाग=ग
(व्याकरण भाग)

8 (क) पाठ्यक्रम में दिए गये शब्द रूपों में से छ: शब्दों के रूप किसी एक विभक्ति के तीनों वचनों में पूछे जायें जिनमें से केवल चार शब्दों के रूप लिखने हों । **4x1½=6**

(ख) पाठ्यक्रम में दिए गये धातु रूपों में से छ: धातुओं के रूप किसी एक लकार के एक पुरुष के तीनों वचनों में पूछे जायें जिनमें से केवल चार धातुओं के रूप लिखने हों। **4x1½=6**

9 पाठ्यक्रम में दिए गए समासों से संबंधित पाँच समस्त पद दिए जाएं जिनमें से तीन का विग्रह करने को कहा जाए ।

अथवा

शब्द रूप तथा धातु रूप पर आधारित रिक्त स्थानों की पूर्ति पुस्तक के अभ्यासों में से पाँच वाक्य दिए जाएं जिनमें से तीन करने को कहा जाए **1x3=3**

10 पाठ्यक्रम में दी गई सन्धियों में से सात शब्द सन्धि/सन्धि विच्छेद के लिए दिये जाएं जिनमें से किन्हीं पाँच शब्दों के उत्तर लिखने के लिए कहा जाए। 1**x5=5**

11 स्वर और व्यंजन के ज्ञान से सम्बन्धित सात प्रश्न पूछे जाएं , जिनमें से पाँच का उत्तर लिखने के लिए कहा जाए । **1x5=5**

12 हिन्दी के आठ वाक्य दिए जाएं जिनमें से चार वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करने के लिए कहा जाए ।

अथवा

पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों में से एक साधारण पत्र तथा एक प्रार्थना पत्र पूछा जाए । जिनमें से एक पत्र/प्रार्थना पत्र संस्कृत में लिखने को कहा जाए । **1x4=4**

ਸੂਚਨਾ

ਵਿਸਵ ਭਰ ਵਿੱਚ Covid-19 ਮਹਾਂਮਾਰੀ ਦੇ ਮੱਦੇ ਨਜਰ ਸਕੂਲ ਬੰਦ ਹੋਣ ਕਾਰਨ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਸ੍ਰੇਣੀਆਂ ਦੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਦਾ ਬਹੁਤ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋਇਆ ਹੈ ।ਇਸ ਕਰਕੇ ਪੰਜਾਬ ਸਕੂਲ ਸਿਖਿਆ ਬੋਰਡ ਵੱਲੋਂ ਅਕਾਦਮਿਕ ਸਾਲ 2020-21 ਲਈ ਨੌਵੀਂ ਤੋਂ ਬਾਰ੍ਹਵੀਂ ਸ੍ਰੇਣੀਆਂ ਦੇ ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਨੂੰ ਘਟਾਉਣ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਲਿਆ ਗਿਆ ਹੈ ।ਸਿੱਖਣ ਪੱਧਰ ਦੀ ਮਹੱਤਤਾ ਨੂੰ ਮੁੱਖ ਰੱਖਦੇ ਹੋਏ ਸਿਲੇਬਸ ਇਸ ਢੰਗ ਨਾਲ ਘਟਾਉਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਕਿ ਮੂਲ ਸੰਕਲਪ ਨੂੰ ਹਾਨੀ ਨਾ ਪਹੁੰਚੇ ।

ਸਕੂਲ ਮੁਖੀਆਂ ਅਤੇ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਵੱਲੋਂ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਖਾਸ ਧਿਆਨ ਰੱਖਿਆ ਜਾਵੇ ਕਿ ਦੂਜੇ Topics ਨਾਲ ਰਾਬਤਾ ਰੱਖਣ ਲਈ ਲੋੜ ਅਨੁਸਾਰ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਘਟਾਏ ਗਏ Topics ਨੂੰ ਵੀ ਪੜ੍ਹਾਇਆ ਜਾਣਾ ਉਚਿਤ ਹੋਵੇਗਾ ਬੇਸ਼ਕ ਇਹ Topics ਆਂਤਰਿਕ ਮੁਲਾਂਕਣ ਅਤੇ ਸਲਾਨਾ ਇਮਤਿਹਾਨ ਦਾ ਹਿੱਸਾ ਨਹੀ ਹੋਣਗੇ ।

ਘਟਾਏ ਗਏ ਸਿਲੇਬਸ ਦਾ ਵੇਰਵਾ ਹੇਠ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ।

पाठ्यक्रम 2020-21

कक्षा : नवम्

विषय : संस्कृत

निम्नलिखित उप विषय सत्र 2020-21 में पाठ्यक्रम में नहीं होंगे–

पाठ्यपुस्तक (संस्कृत भारती) से

पाठ : 3 (धूत–वाक्यम्) **पाठ : 8** (पत्रम्) **पाठ : 11** (चित्रकर्णः उष्ट्रः)
पाठ : 12 (रुप्यकस्य आत्मकथा) **पाठ : 13** (सुभाषितानि) ।

(व्याकरण भाग)

शब्द रूप :– कवि, रवि, नदी , नारी , गृह ।
सर्वनाम शब्द रूप - (केवल पुं. में) – तद् ।
धातु रूप :– दा, सृ, नी, दृश् ,स्मृ ।
समास :- तत्पुरुष, द्विगु ।
सन्धि:– वृद्धि, अयादि सन्धि, लत्व विधि, णत्व विधि ।
प्रार्थना पत्र:– मित्राय भ्रमण विषयकं पत्रम् ।
अनुवाद– हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद (10 से 15 अभ्यास तक)

नोट– सत्र 2020-21 के सलाना परीक्षा पत्र में पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा उपरोक्त उप विषयों को परीक्षा में शामिल नहीं किया जायेगा ।